पहला सच्चा प्यार-1

"प्रेषक : राजीव सभी दोस्तों को नमस्ते ! मेरा नाम राजीव है, मेरे दोस्त मुझे राज भी कहते हैं और आज मैं आपके साथ मेरे एक ऐसे अनुभव को बाँटना चाहता हूँ जो असल में मेरा पहला प्यार था लेकिन वो अधूरा ही रहा था। मेरे और भी कई अनुभव हैं जो मैं बाद में […] ..."

Story By: (rajsexboy964)
Posted: गुरूवार, मार्च 25th, 2010
Categories: हिंदी सेक्स कहानियाँ
Online version: पहला सच्चा प्यार-1

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

पहला सच्चा प्यार-1

प्रेषक : राजीव

सभी दोस्तों को नमस्ते !

मेरा नाम राजीव है, मेरे दोस्त मुझे राज भी कहते हैं और आज मैं आपके साथ मेरे एक ऐसे अनुभव को बाँटना चाहता हूँ जो असल में मेरा पहला प्यार था लेकिन वो अधूरा ही रहा था। मेरे और भी कई अनुभव हैं जो मैं बाद में जरूर लिखूँगा लेकिन यह अनुभव मेरा सबसे पहला अनुभव भी है और नहीं भी और इस अनुभव को मैं हमारे (आपके और मेरे) बहुत अच्छे दोस्त संदीप शर्मा के कहने पर लिख रहा हूँ और इस अनुभव के होने में भी संदीप का बहुत बड़ा योगदान है।

कैसे वो आप को आगे पता चल जायेगा।

पहले मैं अपने बारे में बता दूँ। नाम तो मैं बता ही चुका हूँ, मैं दिल्ली में ही खुद का व्यवसाय करता हूँ, 33 वर्षीय शादीशुदा बहुत ही मिलनसार व्यक्ति हूँ, भरा पूरा परिवार है और जिंदगी मजे से कट रही है।

लेकिन मेरी कहानी शुरू तब होती है जब मैं बारहवीं पास करके अगली कक्षा में पहुँचा था। मैं तब भी मिलनसार ही था तो मेरे आस-पास लड़कियों का जमावड़ा लगा ही रहता था और मैं भी उनके साथ मस्ती मजाक कर लिया करता था लेकिन कभी भी उससे आगे की बातें मैंने सोची नहीं और कभी की भी नहीं।

उसी बीच मुझे अपनी ही कक्षा की एक लड़की नीतू से प्यार हो गया और मैंने उसे अपने दिल की बात बता भी दी, लेकिन जाने क्यों उसने तब ना कर दी और मैं भी उसकी ना को

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

स्वीकार करके मेरी जिंदगी में व्यस्त हो गया। थोड़ी उदासी अपने अंदर समेट कर पर मैंने कभी नीतू को वापस से अपने पास आने के लिए नहीं कहा पर उसे मन ही मन प्यार करता ही रहा और शायद उसका ही नतीजा था कि नीतू को भी मेरे प्यार का अहसास हो गया और एक दिन उसने अपनी एक सहेली से कह कर मुझ तक यह संदेश भेजा कि वो भी मुझे प्यार करती है।

मुझे तो तब मानो दुनिया जहाँ की सारी खुशियाँ मिल गई थी ! और उसके बाद हम दोनों ही एक दूसरे के प्यार खो गए थे, जब हम मिलते तो ढेरो बातें किया करते थे, एक दूसरे के साथ बैठे रहते थे और आने वाले कल के सपने बुना करते थे।

इसी बीच एक दिन मुझे उसने अपने घर पर बुलाया जब वहाँ कोई था नहीं। मैं उसके घर पहुँचा तो उसके लिए गुलाब के फूल लेकर गया और उसे फूल देने के बाद उस दिन मैंने उसे बाँहों में भर लिया और नीतू ने भी कोई इनकार नहीं किया।

बाँहों में भरने के बाद मैंने बिना रुके अपने होंठ उसके होंठों पर रख दिए और उसे चूम लिया। प्रति-उत्तर में नीतू ने भी मेरे चुम्बन का जवाब चुम्बन से ही दिया और उसके बाद मैं और वो एक एक दूसरे से लिपट कर एक दूसरे को चूमते हुए एक दूसरे की जबान को चूसने लगे, कभी मैं उसके जबान को चूस रहा था और कभी वो मेरी जबान को।

इसी बीच मेरे हाथ उसकी पीठ से फिसलते हुए उसके सीने तक भी आ गए थे और मैंने उसके स्तनों को दबाना शुरू कर दिया, ना ही उसने कोई विरोध किया और ना ही मैंने खुद को रोकने की कोशिश की।

हम दोनों ही एक दूसरे को चूम रहे थे और मैं उसके स्तनों को सहला रहा था, मसल रहा था और वो इस मस्ती में मस्त हो रही थी। यह कहानी आप अन्तर्वासना डॉट कॉम पर पढ़ रहे हैं।

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

उसके बाद मैं नीतू को गोद में उठाया और उठा कर सोफे पर ले आया। सोफे पर लेटाने के बाद मैं उसे गालों पर चूमने लगा और उसके स्तनों को दबाता ही रहा। मैं उसके स्तनों को दबा रहा था, उसके मुँह से आह आह निकल रही थी, साथ ही वो एक ना भी कर रही थी जिसमें हाँ थी।

यह मेरा पहला ही अनुभव था जिसमें किसी लड़की को मैं इस तरह से चूम रहा था तो अब तक मैं पूरी चरम स्थिति में आ चुका था और नीतू की भी हालत कोई बहुत अच्छी नहीं थी।

ऐसे ही चूमते हुए मैं नीतू के उपर लेट गया और उसकी जांघों को कपड़ों के ऊपर से मेरे लण्ड से रगड़ने लगा तो नीतू ने मुझे कस कर पकड़ा और लगभग चीखते हुए झड़ गई।

मैं भी पहले ही चरम स्थिति में पहुँचा हुआ था तो मैं भी झटके मार कर साण्ड की तरह कराहते हुए अंडरवियर में ही झड़ने लगा।

उसके बाद जब थोड़ी हिम्मत आई तो नीतू ने मुझे वापस भेज दिया यह कहते हुए कि कोई घर पर आ जायेगा और हमारी यह मुलाक़ात पूरी होते हुए भी अधूरी ही रह गई।

मैंने सोचा कोई बात नहीं अभी नहीं तो बाद में फिर कभी मौका जरूर मिलेगा। और तब मैं उसके लिए यूँ भी बहुत संजीदा था कुछ महीनों पहले तक भी था तो मैं यौन सम्बन्धों को इतनी तवज्जो नहीं देता था, कम से कम उसके साथ तो बिल्कुल नहीं।

फिर उसके बाद हम दोनों जब भी मिलते तो एक दूसरे को चूमते और एक दूसरे के साथ मस्ती भी करते पर सब कुछ नियंत्रण में ही रहता था।

यह सिलसिला काफी समय तक चलता रहा और तभी जाने कैसे एक दिन नीतू के भाइयों को किसी तरह मेरे बारे में पता चल गया।

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

यह जान कर वो लोग मुझे पीटने के लिए ही आ गए थे, पर मेरी किस्मत अच्छी थी कि यह बात मेरे भाईयों तक पहुंची, उन्होंने उसके भाइयों को समझाया और वापस भेज दिया और यह बात पिताजी तक भी नहीं जाने दी।

फिर भैया ने मुझे भी समझाया कि मैं नीतू को भूल जाऊँ।

मैंने हाँ तो कर दी लेकिन मेरे लिए नीतू को भूलना मुमकिन नहीं था ना ही मैं उसे भूलने वाला था।

मैंने सोचा था कि नीतू से मिल कर सारी बातें पूरी कर लूँगा और उसे सब समझा दूँगा लेकिन नीतू कुछ दिन स्कूल आई ही नहीं और उसके बाद जब वो आई तो उसने मुझसे बात भी नहीं की, मैंने उससे बात करने की कोशिश भी की और जब मैंने उससे बात करने की कोशिश भी की तो नीतू ने मुझे पूरी तरह से ना कर दी।

उसके बाद मेरा और आगे नियमित पढ़ने का मन नहीं रहा तो मैंने पारिवारिक व्यवसाय में काम करना शुरू कर दिया।

उसके एक साल बाद ही नीतू की शादी हो गई और वो दिल्ली से बाहर चली गई। कुछ वक्त बाद मेरी भी शादी हो गई और मैं मेरे जीवन में मस्त हो गया।

पर दोस्तो, यह कहानी का अंत नहीं है, शुरुआत है।

आगे की कहानी के लिए अगले भाग का इन्तजार कीजिए।

अपनी राय मुझे भेजिए।

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

Other stories you may be interested in

पड़ोसन देसी गर्ल को अन्तर्वासना सेक्स स्टोरी पढ़वाई

मेरा नाम आदित्य है। मैं आगरा से हूँ। मेरे घर के पास एक लड़की रहती थी.. उसका नाम काजल है, मैं उसको रोज़ देखता था, कभी कभार उसे मिस काल भी करता था, मेरे पास उसका फ़ोन नम्बर था। एक […]
Full Story >>>

मुमताज की मुकम्मल चुदाई-2

संजय सिंह जैसे ही वो दोनों गईं, मुमताज आकर मेरे से चिपक गई और मुझे चूमने लगी। मैंने उसको बोला- मुमताज, पहले दरवाजा तो बंद कर दो, नहीं तो कोई देख लेगा। वो गई और जल्दी से दरवाज़ा बंद किया […]
Full Story >>>

जूही और आरोही की चूत की खुजली-22

पिंकी सेन हैलो दोस्तो, मज़ा आ रहा है न.. आरोही और जूही की चुदाई में.. आपकी राय के अनुसार ही मैंने बड़े आराम से चुदाई पेश की है और आगे के कुछ और भागों में भी यह चुदाई चालू रहेगी। […]
Full Story >>>

मैडम एक्स और मैं-4

इमरान ओवैश स्नान-सम्भोग के पूर्ण होने के उपरान्त हमने कायदे से स्नान किया और बाहर आ गये। काफी थकान हो चुकी थी, सो कुछ पल के आराम के बाद हमने खाना खाया और टीवी देखने लगे। टीवी देखते देखते सर […]
Full Story >>>

मेरी चालू बीवी-16

इमरान और चारों ओर काफी परदे लगे थे… मैं दो पर्दों के बीच खुद को छिपाकर… नीचे को बैठ गया… अब कोई आसानी से मुझे नहीं देख सकता था… मैंने अंदर की ओर देखा… अंदर दो तीन जमीन पर गद्दे […]
Full Story >>>

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

Other sites in IPE

Pinay Sex Stories

Araw-araw may bagong sex story at mga pantasya.

Antarvasna Porn Videos

Antarvasna Porn Videos is our latest addition of hardcore porn videos.

Desi Tales

Indian Sex Stories, Erotic Stories from India.

Antarvasna

अन्तर्वासना के पाठकों के प्यार ने अन्तर्वासना को दुनिया की सर्वाधिक पढ़े जाने वाली सर्वश्रेष्ठ हिन्दी व्यस्क कथा साईट बना दिया है। अन्तर्वासना पर आप रोमांटिक कहानियाँ, सच्ची यौन घटनाओं पर आधारित कहानियाँ, कपोल कल्पित सेक्स कहानियाँ, चुटकले, हास्य कथाएँ पढ़ रहे हैं। Best and the most popular site for Hindi Sex Stories about Desi Indian Sex. अन्तर्वासना पर आप भी अपनी कहानी, चुटकले भेज सकते हैं!

Savita Bhabhi Movie

Savita Bhabhi Movie is India's first ever animated movie. It takes us a on a journey thru time, a lot of super hot sex scenes and Savita Bhabhi's mission to bring down a corrupt minister planning to put internet censorship on the people.

IndianPornVideos.com

Indian porn videos is India's biggest porn video tube site. Watch and download free streaming Indian porn videos here.

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire